खबर संक्षेप

मप्र राज्य सहकारी अधिकरण अभिभाषक संघ की कार्यकारिणी घोषित

शहडोल। मप्र राज्य सहकारी अधिकरण अभिभाषक संघ, विंध्याचल भवन भोपाल की नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया । संघ के अध्यक्ष अशोक सोनी द्वारा जारी सूचना के अनुसार वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेश नंदन श्रीवास्तव को संभाग शहडोल का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति संघ की कार्यकारिणी के गठन के अंतर्गत की गई है। इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने वरिष्ठ अधिवक्ता शैलेश नंदन श्रीवास्तव को नवीन दायित्व मिलने पर हर्ष प्रकट किया । संघ के प्रदेश अध्यक्ष अशोक सोनी ने आशा व्यक्त की है कि नई कार्यकारिणी सहकारी अधिकरण से जुड़े अधिवक्ताओं के हितों के संरक्षण एवं संगठन को मजबूती प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कमिश्नर ने दूर-दराज क्षेत्रो से आए लोगों की जनसुनवाई की

शहडोल। कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत संभाग के दूर-दराज के क्षेत्रो से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और उनके निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के जयसिंहनगर के ग्राम नवाटोला निवासी मायावती बैगा ने वन विभाग द्वारा प्राप्त पटटे की आराजी को वापस दिलाने, ग्राम चितरांव निवासी दद्दुआ बसोर ने पटटा दिलवाने, ग्राम दुलादर निवासी राम प्रकाश शुक्ला ने विद्युत ट्रांसफार्मर एवं कनेक्शन जुड़वाने, ग्राम जरवाही निवासी रूकमणी वास्पे ने ऑगनवाडी कार्यकर्ता नियुक्ति के संबंधी, ग्राम केलमानिया निवासी कलुआ ने तर्मीम एवं सीमांकन कराएं जाने हेतु आवदेन दिए। कमिश्नर ने संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य आवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास मुद्रिका सिंह सहित संभाग स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संत रविदास स्वरोजगार एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर योजना अंतर्गत लक्ष्य निर्धारित

शहडोल। कार्यपालन अधिकारी जिला अन्त्यावसायी सहकारी निगम समिति मर्यादित ने बताया कि संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजनांतर्गत वित्तीय वर्ष 2026-27 के लक्ष्य आवंटित किये गए। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशन मे जिले में निवासरत अनुसूचित जाति वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को स्वरोजगार से जोडने के लिए संत रविदास स्वरोजगार योजना एवं डॉ0 भीमराव अम्बेडकर आर्थिक कल्याण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा मे महत्वपूर्ण पहल की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए जिले की बैंक शाखाओं को स्वरोजगार योजनाओं के लक्ष्य आवंटित किये गये है। यह कार्यवाही सचिव, मध्यप्रदेश राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम भोपाल के निर्देशानुसार की गई है। वितरित प्रकरणों मे ब्याज अनुदान एवं बहजउेम गारंटी शुल्क का क्लेम भी पोर्टल के माध्यम से करने के निर्देश दिये गये है।

आंगन से बाइक उड़ाने वाले दो चोर दबोचे

शहडोल। इलाके में सक्रिय वाहन चोर गिरोह पर नकेल कसते हुए बुढ़ार थाने के अंतर्गत आने वाली चौकी केशवाही पुलिस ने मोटर सायकल चोरी की वारदात का महज कुछ ही दिनों में पर्दाफाश कर दिया है। शिकंजे में आए रजबांध गांव के दो शातिर अजीत लाल पाव उम्र 20 वर्ष, दीपक लाल चौधरी उम्र 23 वर्ष को सलाखों के पीछे भेजकर पुलिस ने चोरी की बाइक बरामद करने में बड़ी सफलता हासिल की है। गौरतलब है कि ग्राम रूपौला निवासी फरियादी राममनोहर चर्मकार के घर के आंगन में खड़ी एचएफ डीलक्स मोटर सायकल को बीती 2 मई की रात अज्ञात चोरों ने पार कर दिया था। वारदात के बाद केशवाही पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर चोरों की धरपकड़ के लिए जाल बिछाया।

शहडोल में संघ प्रमुख का ऐतिहासिक कदम

अभेद्य किले में तब्दील हुआ समूचा शहर

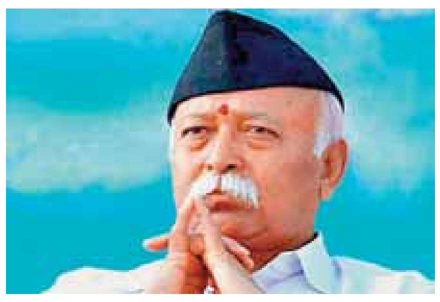

चप्पे-चप्पे पर खाकी का पहरा, तीन दिवसीय प्रवास को लेकर महाकवच तैयार

शहडोल।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक डॉ. मोहन भागवत के जीवन में पहली बार शहडोल आगमन को लेकर समूचे संभाग में हलचल तीव्र हो गई है। संघ प्रमुख के इस ऐतिहासिक और अत्यंत महत्वपूर्ण तीन दिवसीय प्रवास को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस महकमा पूरी तरह चौकन्ना हो गया है। आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था को इस कदर कस दिया गया है कि पूरा शहर एक अभेद्य सैन्य छावनी जैसा नजर आने लगा है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की विशेष कमांडो टुकड़ी, राज्य पुलिस की विशेष शाखा और पड़ोसी जिलों से आए आला अधिकारियों ने शहडोल की धरती पर कदम रखते ही कमान अपने हाथों में ले ली है।

कटनी से सडक़ मार्ग द्वारा पहुंचेंगे शहडोल

तय कार्यक्रम के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख आज बुधवार की सुबह लगभग 8 बजे रेलगाड़ी के माध्यम से कटनी स्टेशन पर पहुंचेगे, वहां से वे सीधे कड़े सुरक्षा पहरे के बीच सडक़ मार्ग द्वारा शहडोल के लिए प्रस्थान करेंगे। उनका यह प्रवास मुख्य रूप से पांडवनगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय परिसर में सुनिश्चित किया गया है। चूंकि सरसंघचालक को भारत सरकार द्वारा सर्वोच्च जेड प्लस श्रेणी का सुरक्षा कवच प्राप्त है, इसलिए उनकी सुरक्षा में तनिक भी ढिलाई या चूक की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी जा रही है। इस महासुरक्षा अभियान को जमीनी स्तर पर उतारने के लिए जिला पुलिस बल के अलावा बाहर से मंगाए गए साढ़े तीन सौ से अधिक जांबाज अधिकारियों और कर्मचारियों को मोर्चे पर तैनात किया गया है। इस सुरक्षा चक्र का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक स्तर के वरिष्ठ अधिकारियों के हाथों में सौंपा गया है।

आसमान में ड्रोन उड़ाने पर पूर्ण रोक

संघ प्रमुख के आगमन को लेकर शहडोल के पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव ने दोटूक लहजे में सुरक्षा व्यवस्था की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि सरसंघचालक महोदय तीन दिनों तक शहडोल के प्रवास पर रहेंगे, जिसे ध्यान में रखते हुए सरस्वती स्कूल परिसर को चौबीसों घंटे के लिए एक अभेद्य दुर्ग में बदल दिया गया है।

सुरक्षा के कड़े मापदंड और पाबंदिया

कार्यक्रम स्थल के प्रवेश और निकास द्वारों पर आधुनिक खोजी उपकरणों से लैस त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया गया है। पांडवनगर क्षेत्र के पांच सौ मीटर के संपूर्ण दायरे को पूर्णतः प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इस सीमा के भीतर किसी भी प्रकार के रिमोट चालित कैमरे या ड्रोन उड़ाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। पूरे परिसर और उसके आस-पास के रास्तों को सीसीटीवी कैमरों के जाल से पाट दिया गया है, जिसकी पल-पल की निगरानी सीधे नियंत्रण कक्ष से की जा रही है।

खंगाला चप्पा-चप्पा, सघन जांच जारी

संभावित खतरों और सुरक्षा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए शहडोल पुलिस द्वारा कार्यक्रम स्थल पर व्यापक एंटी सेबोटाज चेकिंग अर्थात तोडफ़ोड़ व नापाक हरकतों को नाकाम करने वाला सघन जांच अभियान चलाया गया है। पुलिस अधीक्षक के सीधे निर्देशन में बम निरोधक दस्ते और खोजी श्वान दल की विशेष टुकड़ी ने सभा स्थल, मुख्य मंच, भोजन कक्ष, गाडिय़ों के खड़े होने वाले स्थान (पार्विंग क्षेत्र) और पूरे विद्यालय परिसर का कोना-कोना बारीकी से खंगाला है। आधुनिक मेटल डिटेक्टर और खोजी उपकरणों के माध्यम से जमीन के भीतर तक सूक्ष्म परीक्षण किया गया है, ताकि सुरक्षा मानकों में कोई कसर न रह जाए।

यातायात के बदले मार्ग, स्वयंसेवकों में भारी उत्साह

संघ प्रमुख के काफिले के आवागमन और वापसी के समय आम नागरिकों को असुविधा न हो, इसके लिए पुलिस प्रशासन ने यातायात व्यवस्था में भी व्यापक फेरबदल किया है। शहर के कुछ मुख्य मार्गों को अस्थाई रूप से बंद करके वैकल्पिक और डायवर्टेड रास्तों को चालू किया जा रहा है। इधर संगठनात्मक दृष्टि से देखें तो सरसंघचालक के इस दौरे को लेकर शहडोल सहित पूरे महाकौशल और विंध्य अंचल के स्वयंसेवकों और संघ कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह और ऊर्जा का संचार देखा जा रहा है। अनुशासन के साथ हजारों की संख्या में स्वयंसेवकों के इस महासमागम में जुटने की प्रबल संभावना है। तीन दिनों के गहन संगठनात्मक मंथन और बैठकों के पश्चात डॉ. मोहन भागवत 22 तारीख की रात लगभग ग्यारह बजे शहडोल की धरा से वापस रवाना होंगे। प्रशासन ने साफ चेतावनी दी है कि कार्यक्रम के दौरान यदि किसी ने भी विघ्न डालने या सुरक्षा नियमों को तोडऩे का प्रयास किया, तो खाकी का हंटर उस पर बेहद बेरहमी से बरसेगा।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत पम्प ऑपरेटरों का प्रशिक्षण सम्पन्न

शहडोल। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एस. एल. धुर्वे के निर्देशानुसार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के मैदानी अमले द्वारा जल मित्र पम्प ऑपरेटर प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यालय में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हर घर नल-जल योजना को अधिक प्रभावी एवं सुचारू रूप से संचालित करना है। प्रशिक्षण के दौरान पम्प आपरेटरों को ग्रामीण जल आपूर्ति व्यवस्था, जल संरक्षण के उपाय, संचालन एवं रख-रखाव, सुरक्षा सावधानियां, जल गुणवत्ता परीक्षण, सामुदायिक सहभागिता, संचार कौशल एवं अभिलेख, रिकॉर्ड संधारण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण में उपयंत्री श्रीमती अनुपमा प्रकाश साहू एवं पीएमयू स्टाफ श्री रोहणी कुमार बर्मन सहित पम्प चालक प्रतिभागियों ने सहभागिता निभाई। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से ग्रामीण पेयजल व्यवस्थाओं को सुदृढ़ एवं सतत बनाए रखने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराया जा सके।

कलेक्टर ने लोगों की सुनीं समस्या एवं शिकायतें

शहडोल। कलेक्ट्रेट कार्यालय स्थित सोन सभागार में साप्ताहिक जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई में कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के विभिन्न दूरस्थ क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याएं एवं शिकायतें गंभीरता से सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में शहडोल जिले के वार्ड नम्बर 8/11 शहडोल निवासी शानू अहमद ने विकलांग बेटे को आर्थिक मदद और सीपी चेयर दिलवाने, ग्राम पिपरिया निवासी भारती कोल ने राशन दिलाने, ग्राम पंचायत बंडीखुर्द निवासी बृजेश कुमार बैगा ने संबल योजना की अनुग्रह राशि का भुगतान कराने, वार्ड नम्बर 9 शहडोल निवासी विष्णु कुमार ताम्रकार ने आयुष्मान कार्ड बनवाने, कल्याणपुर निवासी गीता देवी यादव ने छात्रवृत्ति दिलाने हेतु आवेदन किया। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने सभी प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागों के अधिकारियों को प्रेषित करते हुए शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जहरीली हवा का छिड़काव कर 70 लाख की डकैती

कूलर में मिलाया नशीला पदार्थ, पूरे परिवार को किया बेहोश

पुश्तैनी जेवर समेट ले गए शातिर चोर

शहडोल।

जिले के जैतपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोटरी गांव से एक ऐसी खौफनाक और रूह कंपा देने वाली वारदात सामने आई है, जिसने पूरे इलाके की कानून व्यवस्था पर सवालिया निशान लगा दिया है। एक सेवानिवृत्त शिक्षक के घर को निशाना बनाकर शातिर चोरों ने न केवल 70 लाख रुपये से अधिक के पुश्तैनी जेवरातों और नगदी पर हाथ साफ किया, बल्कि पूरे परिवार की जान को भी जोखिम में डाल दिया। चोरों ने वारदात को अंजाम देने के लिए जो तरीका अपनाया, उसे सुनकर हर कोई दंग है। इस बड़ी दुस्साहसिक वारदात के बाद से पूरे क्षेत्र में हडक़ंप मच गया है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

पोते के जन्मदिन की रात ढहा कयामत का कहर

पीड़ित परिवार के मुताबिक, बीती रात घर में खुशियों का माहौल था। सेवानिवृत्त शिक्षक जगदीश प्रसाद बारी के पोते का जन्मदिन था। पूरा परिवार नाच-गाने और उत्साह के साथ जश्न मनाने के बाद देर रात गहरी नींद में सो गया। उन्हें क्या मालूम था कि अंधेरे का फायदा उठाकर मौत के सौदागर उनके घर के बाहर घात लगाए बैठे हैं। बदमाशों ने घर के बाहर चल रहे कूलर को अपनी साजिश का हथियार बनाया। शातिर चोरों ने कूलर के पानी या हवा के रुख में कोई अत्यंत तीव्र नशीला पदार्थ या जहरीला स्प्रे मिला दिया। इस जहरीली और नशीली हवा के घर के भीतर फैलते ही कमरे में सो रहे तमाम सदस्य गहरी बेहोशी के आगोश में चले गए। नशीली हवा का असर इतना घातक था कि चोरों की आहट तो दूर, अलमारियां टूटने की आवाज तक किसी के कानों तक नहीं पहुंची।

सिर भारी, आंखें बंद और बाहर से लॉक थे दरवाजे

इस दिल दहला देने वाली वारदात का खुलासा तब हुआ जब सुबह सूरज ढलने के बाद भी परिवार के सदस्यों की आंखें पूरी तरह नहीं खुल पा रही थीं। जहर के असर से सभी का सिर चकरा रहा था और तबीयत बेहद खराब थी। जब बदहवास हालत में पीड़ितों ने कमरे से बाहर निकलने की कोशिश की, तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई, कमरे के दरवाजे बाहर से बंद थे। अंदर का नजारा चीखें निकालने वाला था, अलमारियां खुली पड़ी थीं, पेटियों के ताले टूटे थे और सारा कीमती सामान गायब था। परिवार की चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने किसी तरह बाहर की सांकल खोली और बंधक बने परिवार को आजाद कराया।

28 तोला सोना, 9 किलो चांदी पार

भुक्तभोगी परिवार के अनुसार, चोरों ने उनके जीवनभर की जमा-पूंजी और पुश्तैनी पहचान को एक झटके में नेस्तनाबूद कर दिया। चोरी गए जेवरों में पीड़ित की मां और दो भाभियों के अत्यंत कीमती और पुश्तैनी आभूषण शामिल थे। लगभग 28 तोला शुद्ध सोने के प्राचीन व कीमती आभूषण। तकरीबन 9 किलोग्राम चांदी के पुश्तैनी जेवर। घर में रखी भारी-भरकम नगद राशि। प्राथमिक आकलन के अनुसार 70 लाख रुपये से अधिक की डकैती।

खोजी कुत्तों और संदेहियों से पूछताछ शुरू

इतनी बड़ी वारदात की खबर मिलते ही जैतपुर थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा और एसडीओपी भारी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बारीकी से घटनास्थल का मुआयना किया और फिंगरप्रिंट एक्सपट्र्स की मदद ली जा रही है। थाना प्रभारी जयप्रकाश शर्मा ने स्वीकार किया कि वारदात अत्यंत बड़ी और सुनियोजित है। चूंकि चोरी गए आभूषण काफी पुराने और पुश्तैनी हैं, इसलिए उनकी वास्तविक और सटीक कीमत का अंतिम आकलन खरीद के पुराने बिल मिलने के बाद ही साफ हो पाएगा, लेकिन नुकसान करोड़ों के आसपास भी जा सकता है।

खबर संक्षेप

पानी संकट पर कोयला मजदूर सभा का अल्टीमेटम असरदार, 24 घंटे में हरकत में आया प्रबंधन

बदरा/जमुना। क्षेत्र की एसईसीएल कॉलोनियों में पिछले कई दिनों से गहराए पेयजल संकट को लेकर श्रमिकों और उनके परिवारों में भारी आक्रोश व्याप्त था। लगातार हो रही जलापूर्ति बाधित होने से कॉलोनियों में दैनिक जीवन अस्त-व्यस्त हो गया था। इस गंभीर समस्या को लेकर कोयला मजदूर सभा (एसएमएस) ने मोर्चा संभालते हुए प्रबंधन को 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। संगठन के अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला के नेतृत्व में श्रमिकों की आवाज बुलंद हुई और आंदोलन की चेतावनी दी गई। एसएमएस अध्यक्ष श्रीकांत शुक्ला ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि यदि तत्काल जलापूर्ति व्यवस्था बहाल नहीं की गई तो श्रमिक परिवारों के साथ उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत और मांग पत्र दिए जाने के बावजूद अधिकारियों ने समस्या को गंभीरता से नहीं लिया। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में पेयजल संकट ने श्रमिक परिवारों को बेहद कठिन परिस्थिति में डाल दिया है। कोयला मजदूर सभा के अल्टीमेटम का असर महज 24 घंटे के भीतर दिखाई दिया। एसईसीएल प्रबंधन हरकत में आया और प्रभावित कॉलोनियों में टैंकरों के माध्यम से पानी की आपूर्ति शुरू कराई गई। साथ ही बंद पड़ी मोटरों, पाइपलाइन और जलापूर्ति मशीनों की मरम्मत का कार्य युद्धस्तर पर प्रारंभ किया गया। प्रबंधन के अधिकारियों ने भी माना कि तकनीकी खराबी और लापरवाही के कारण समस्या उत्पन्न हुई थी, जिसे शीघ्र स्थायी रूप से दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। श्रमिकों और स्थानीय नागरिकों ने राहत मिलने पर संतोष व्यक्त किया, वहीं कोयला मजदूर सभा ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में दोबारा ऐसी स्थिति बनी तो संगठन और अधिक व्यापक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। क्षेत्र में फिलहाल पानी की आपूर्ति सामान्य होने लगी है, लेकिन लोग स्थायी समाधान की मांग पर अडिग हैं।

हर साल जा रही मासूमों की जान

ड्रोन फेल, वन विभाग बेबसः शहडोल में फिर गजराज का तांडव

शहडोल। तकनीक के खोखले दावों के बीच शहडोल के केशवाही वन परिक्षेत्र में एक बार फिर जंगली हाथी ने खूनी तांडव मचाया है। बेरिहा गांव में आधी रात को घुसे हाथी ने जमकर तबाही मचाई। ड्रोन से निगरानी के बड़े-बड़े दावे इस बार भी जमीनी हकीकत के आगे पूरी तरह नाकाम साबित हुए हैं।

हर साल उजड़ रही ग्रामीणों की गोद

शहडोल जिला अब हाथियों के लिए एक डेथ जोन में तब्दील होता जा रहा है, जहां हर साल बेगुनाह ग्रामीण अपनी जान गंवा रहे हैं। वन विभाग जिस आधुनिक ड्रोन तकनीक का ढिंढोरा पीटता आया है, वह इस संकट के आगे पूरी तरह बेअसर साबित हो चुकी है। कागजों और आसमान में उडऩे वाले ड्रोन न तो हाथियों के कदमों को रोक पा रहे हैं और न ही इंसानी जिंदगियों को महफूज रख पा रहे हैं। बीते सप्ताह ही गिरवा गांव में एक बेबस किसान को कुचलकर मौत के घाट उतारने के बाद, सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात इसी उत्पाती हाथी ने बेरिहा गांव को अपना निशाना बनाया। हाथी करीब तीन घंटे तक बस्ती के बीचोबीच तबाही मचाता रहा। उसने सोनू यादव नाम के ग्रामीण के कच्चे मकान को मलबे में तब्दील कर दिया और घर में रखा कई क्विंटल अनाज चट कर गया। पूरी रात गांव में चीख-पुकार मची रही। लोग अपने मासूम बच्चों को गोद में लेकर अपनी ही जमीनों पर शरणार्थी बनने को मजबूर हो गए। ग्रामीणों ने पास के टोले में बने पक्के मकानों की छतों पर किसी तरह कांपते हुए रात गुजारी। वन विभाग के आला अधिकारी हर बार की तरह इस बार भी महज अलर्ट जारी करने की औपचारिकता निभाकर अपनी पीठ थपथपा रहे हैं, जबकि हकीकत यह है कि विभाग का मैदानी अमला इस भारी भरकम संकट के सामने पूरी तरह लाचार और दिशाहीन नजर आ रहा है।

अब रेस्क्यू के भरोसे महकमा

लगातार हो रही मौतों और चौतरफा घिरने के बाद अब वन विभाग बैकफुट पर है। केशवाही रेंजर अंकुर तिवारी के मुताबिक, अब इस उत्पाती हाथी को काबू करने के लिए बांधवगढ़ नेशनल पार्क से तीन और संजय गांधी टाइगर रिजर्व से एक प्रशिक्षित हाथी को रेस्क्यू के लिए बुलाया गया है। मंगलवार शाम तक करीब 30 सदस्यीय विशेषज्ञों, डॉक्टरों और महावतों का एक दल केशवाही पहुंचने की उम्मीद है, जो इस बेकाबू हाथी को ट्रेंशकुलाइज कर बांधवगढ़ के जंगलों में शिफ्ट करेगा। हालांकि, इस रेस्क्यू ऑपरेशन की खबर से ग्रामीणों ने थोड़ी राहत की सांस जरूर ली है, लेकिन उनके जेहन में बसा डर कम नहीं हुआ है। ग्रामीणों का साफ कहना है कि जब तक यह हाथी इस इलाके से पूरी तरह खदेड़ नहीं दिया जाता, वे चैन की नींद नहीं सो सकते। हर साल होने वाली इन मौतों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली और उसकी सुस्त तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। अब देखना यह है कि यह भारी-भरकम रेस्क्यू टीम इस उत्पाती हाथी पर काबू पा पाती है या फिर ग्रामीणों को यूं ही अपनी जान की भीख मांगनी पड़ेगी।

एसडीएम ने पटाखा भंडारण एवं निर्माण स्थलों का किया निरीक्षण

उमरिया। अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ़ अंबिकेश प्रताप सिंह एवं तहसीलदार बांधवगढ़ दिलीप सोनी ने आतिशबाजी लाइसेंसधारियों खैरून निशा और अब्दुल कलाम के पटाखा भंडारण एवं निर्माण स्थलों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि खैरून निशा का आतिशबाजी अनुज्ञापत्र 31 मार्च 2027 तक वैध है। उनके परिसर में 59 पेटी निर्मित आतिशबाजी सामग्री संयुक्त भवन के मध्य कक्ष में लोहे की रैक पर प्लाईवुड पट्टियों के ऊपर रखी हुई थी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत परिसर के बाहर पांच बाल्टी रेत, 6 किलोग्राम एवं 8.5 किलोग्राम क्षमता के दो अग्निशमन यंत्र तथा 200-200 लीटर क्षमता के दो पानी से भरे ड्रम पाए गए। हालांकि निरीक्षण में कमरे में पर्याप्त वेंटिलेशन नहीं मिला। संयुक्त भवन के बाईं ओर अब्दुल कलाम का भंडारण कक्ष पाया गया, जिसमें लगभग आठ पेटी दीपावली पटाखे रखे थे। कमरे में एक तख्त और लोहे की सजावटी सामग्री भी रखी मिली। निरीक्षण के दौरान कमरे में वेंटिलेशन एवं अग्निशमन यंत्र नहीं पाए गए। केवल बाहर पांच बाल्टी रेत रखी हुई थी। इसके अलावा भंडारण संबंधी कोई रजिस्टर भी उपलब्ध नहीं मिला।

संयुक्त परिसर के दाहिनी ओर खैरून निशा का निर्माण अनुज्ञप्ति प्राप्त कक्ष स्थित मिला, जिसमें लगभग 15 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री रखी हुई थी। कमरे में बांस एवं पटाखा निर्माण में प्रयुक्त लकडिय़ां भी रखी पाई गईं। यहां भी वेंटिलेशन की व्यवस्था नहीं थी। कमरे के बाहर 1.6 किलोग्राम क्षमता का अग्निशमन यंत्र और पांच बाल्टी रेत रखी हुई मिली।

निरीक्षण के दौरान परिसर के आहाते में एक तख्त, एक सोफा सेट, पांच कुर्सियां तथा बांस की बल्लियां रखी हुई पाई गईं। वहीं परिसर के आगे टीन शेड डालकर टेंट हाउस का सामान भी रखा गया था। प्रशासनिक अधिकारियों ने निरीक्षण में यह भी पाया कि परिसर से लगभग 100 मीटर की दूरी पर 11 केवी विद्युत आपूर्ति लाइन एवं हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइन गुजर रही है। साथ ही लगभग 50 मीटर दूरी पर नहर के पार आवासीय क्षेत्र एवं एक बर्फ फैक्ट्री भी संचालित पाई गई।

बदला जनसुनवाई का स्वरूप

जनसुनवाई तक आने वाले आवेदकों के लिए की गई स्वास्थ्य परीक्षण, पेयजल एवं आवेदन लिखवाने की सुविधा

उमरिया। जिले में आयोजित होने वाली साप्ताहिक जनसुनवाई का स्वरूप अब पूरी तरह बदल गया है। जिला प्रशासन द्वारा जनसुनवाई में आने वाले आम नागरिकों की सुविधा और सम्मान को ध्यान में रखते हुए कई नई व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे लोगों को अपनी समस्याएं बताने के साथ-साथ आवश्यक सुविधाएं भी सहज रूप से उपलब्ध हो रही हैं। कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनसुनवाई में अत्यधिक गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए आवेदकों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की गई है। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा नागरिकों का ब्लड प्रेशर, शुगर सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। इससे विशेष रूप से बुजुर्ग एवं अस्वस्थ लोगों को राहत मिल रही है।इसके अतिरिक्त, जनसुनवाई स्थल पर पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि दूर-दराज से आने वाले लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। वहीं, कई आवेदक ऐसे होते हैं जिन्हें आवेदन लिखने में कठिनाई होती है। ऐसे लोगों की सहायता के लिए आवेदन लेखन काउंटर भी स्थापित किया गया है, जहां कर्मचारियों द्वारा उनकी समस्याओं के आधार पर आवेदन तैयार कराए जा रहे हैं।

कलेक्टर के निर्देशन में की गई इन व्यवस्थाओं से जनसुनवाई अधिक व्यवस्थित, संवेदनशील और नागरिक हितैषी बनी है। जिले के नागरिकों ने इस नई व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे प्रशासन की सकारात्मक पहल बताया है। जनसुनवाई में संजय चौधरी कौडिया ने सीमांकन कराने, शिव प्रसाद कोल ग्राम टिकुरी ने जुलाई माह से पेंशन दिलाने, दुखीराम ग्राम चिल्हाररी ने पीएम आवास दिलाने, हीरा लाल कोल ने पीएम आवास दिलाने, गुलाब चौधरी ग्राम सलैया ने निर्मित अमृत सरोवर तालाब में ट्रेक्टर ट्राली की राशि का मुआवजा दिलाने, तुलेभान सिंह ग्राम घघौड ने बीटीआर से पेड पौधो का मुआवजा दिलाने, विश्राम राठौर ग्राम धनवार ने पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने, बोडडा बैगा ग्राम खेरवा ने वृध्दावस्थाा पेंशन दिलाने, संतोष विश्वकर्मा खलेसर ने पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना का लाभ दिलाने, बराती लाल बैगा झाला ने विकलांगता पेंशन योजना एवं शासन की योजनाओ का लाभ दिलाने संबंधी आवेदन दिया। स्वास्थ्य परीक्षण के लिए डा प्रियंका गुप्ता मेडिकल आफीसर जिला अस्पताल, डा प्रदीप कुमार महोबिया आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी, किरण कोरी आयुर्वेद महिला स्वास्थ्य अधिकारी , श्रीधर चौधरी आयुर्वेद कम्पाउडर, सुशील यादव सपोर्ट स्टाफ कि ड्युटी लगाई गई थी। इसी तरह आवेदन लिखने के लिए नगर पालिका से अखिलेश सिंह को तैनात किया गया था। जनसुनवाई का यह बदला हुआ स्वरूप न केवल लोगों की समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि यह प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास को भी मजबूत कर रहा है।जनसुनवाई में अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता,संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार जेसीबी ने बाइक सवार युवकों को रौंदा

एक की मौत दो घायल, चालक वाहन सहित फरार

हरिभूमि न्यूज कोतमा। थाना अंतर्गत जर्राटोला गांव के मंदिर चौराहे के पास जेसीबी की टक्कर से बाइक सवार तीन युवको मे एक युवक की मौत घटनास्थल में हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन सहित फरार हो गया। बताया जाता है कि कोतमा थाना क्षेत्र में सोमवार की शाम एक भीषण सड़क हादसा घटित होने का मामला सामने आया है, जिसमें बाइक सवार तीन युवकों मे एक संदीप पांडे की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा रात करीब नौ बजे जर्राटोला के मंदिर तिराहा के समीप हुआ, जहां तेज रफ्तार जेसीबी ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर के बाद तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। वही दुर्घटना के बाद चालक ने भागने की अफरा तफरी में संदीप पांडे के ऊपर जेसीबी का चक्का चढ़ा दिया जिससे घटनास्थल पर ही संदीप पांडे 31 वर्ष की मौत हो गई वही प्रवीण जायसवाल का एक पैर टूट गया जिसे गंभीर हालत मे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतमा भेजा गया है वही साथ रहे राजेश गौतम को मामूली चोट होने की जानकारी है। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल पर अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। जानकारी मिलते ही कोतमा पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को कोतमा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद संदीप पांडे को मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद जेसीबी चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार युवक जर्राटोला से खोडरी की ओर जा रहे थे, तभी सामने से आ रही जेसीबी ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना गांव के पास मंदिर के नजदीक हुई। पुलिस ने मृतक की पहचान संदीप पांडे 31 वर्ष पिता अरुण पांडे निवासी ग्राम खोडंरी के रूप में की है। संदीप पांडे का विवाह 3 माह पूर्व ही हुआ था युवक की असमय मौत से उनके परिजनों में कोहराम मच गया है गांवों में शोक का माहौल है। कोतमा थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल ने बताया कि जेसीबी की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हुई है। दो घायल हैं जेसीबी वाहन को घटना स्थल से 10 किलोमीटर दूर से जप्त कर लिया गया है पहचान कर चालक को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस आसपास के प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है।

पीटीएस उमरिया में 39वें नवआरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का दीक्षांत परेड समारोह सम्पन्न

उमरिया। पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय (पीटीएस) उमरिया में 39वें नवआरक्षक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का दीक्षांत परेड समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। समारोह में कुल 222 नवआरक्षकों ने शानदार परेड प्रस्तुत की। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुश्री एन. चैत्रा (भा.पु.से.), पुलिस महानिरीक्षक, शहडोल जोन, शहडोल द्वारा परेड की सलामी ली गई। इस अवसर पर पुलिस प्रशिक्षण विद्यालय उमरिया के पुलिस अधीक्षक मुकेश वैश्य (रा.पु.से.) ने नवआरक्षकों को देशभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा की शपथ दिलाई। दीक्षांत परेड की कमान नवआरक्षक शुभम लोधा तथा टू-आईसी संदीप वर्मा ने संभाली। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार प्रशिक्षण अवधि के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षुओं को मुख्य अतिथि द्वारा नगद पुरस्कार, प्रमाण-पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया।मुख्य अतिथि सुश्री एन. चौत्रा ने प्रशिक्षण सत्र के सफल संचालन के लिए पुलिस अधीक्षक मुकेश वैश्य एवं उनकी संपूर्ण टीम की सराहना की। कार्यक्रम के उपरांत उन्होंने पीटीएस परिसर में वृक्षारोपण भी किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं एसडीओपी उमरिया द्वारा भी पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन उप पुलिस अधीक्षक पीटीएस श्रीमती लवली सोनी ने किया, जबकि मंच संचालन सुशील मिश्रा द्वारा किया गया। समारोह में जिले के पत्रकारगण, गणमान्य नागरिक, विभिन्न जिलों से आए प्रशिक्षणार्थियों के परिजन तथा पीटीएस उमरिया के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कांग्रेसजनों ने किया प्रदर्शन, सरकार पर लगाये आरोप, उग्र आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढीमरखेड़ा

कांग्रेस द्वारा सोमवार को केन-बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित आदिवासी एवं किसान परिवारों के हक में प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने महामहिम राज्यपाल के नाम का ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में मांग की गई है कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित पार्टी कार्यकर्ताओं और आंदोलन का समर्थन करने वाले नेताओं पर दर्ज किए गए सभी झूठे प्रकरणों को तुरंत वापस लिया जाए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कहा कि केन-बेतवा परियोजना के कारण विस्थापित और प्रभावित हो रहे आदिवासी व किसान परिवार लंबे समय से अपने 'जल, जंगल और जमीन' के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। सरकार प्रभावितों की बुनियादी समस्याओं का समाधान खोजने और उन्हें राहत देने के बजाय, उनके हक की आवाज उठाने वाले नेताओं और कार्यकर्ताओं पर दमनकारी कार्रवाई कर रही है, जो पूरी तरह से अलोकतांत्रिक है।

कांग्रेस शहर अध्यक्ष अमित शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस हमेशा से किसानों, आदिवासियों और समाज के कमजोर वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही है। प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और अन्य कार्यकर्ताओं पर दर्ज किए गए मामले लोकतांत्रिक अधिकारों का सीधा हनन हैं। यदि प्रशासन और सरकार ने शीघ्र ही ये मुकदमे वापस नहीं लिए, तो जिला कांग्रेस कमेटी सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी। अजय कोल ने कहा कि केन-बेतवा परियोजना के चलते क्षेत्र के आदिवासी परिवारों के सामने जल, जंगल और जमीन का एक गंभीर संकट खड़ा हो गया है। उनके पारंपरिक ठिकाने और आजीविका छिनने की कगार पर हैं।

ओमकार सिंह तेकाम ने विस्थापन की नीति पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा, ₹जब तक प्रभावित परिवारों को उचित पुनर्वास की व्यवस्था और पर्याप्त मुआवजा नहीं मिल जाता, तब तक किसी भी कीमत पर विस्थापन स्वीकार नहीं किया जाएगा। सरकार को पहले परिवारों के भविष्य को सुरक्षित करना होगा।

खबर संक्षेप

चित्रकारी और संदेशों से किया जा रहा जागरूक

कटनी। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं शहर को स्वच्छ, सुंदर और नागरिक-अनुकूल बनाने के उद्देश्य से नगर निगम कटनी द्वारा व्यापक स्तर पर स्वच्छता जागरूकता एवं सौंदर्यीकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर निगम द्वारा शहर के चिन्हित रेड स्पॉट, ब्लैक स्पॉट एवं यलो स्पॉट को समाप्त कर उन्हें आकर्षक एवं प्रेरणादायी स्थलों के रूप में विकसित करने के प्रयास किए गए हैं। विगत दिवस जगमोहन दास वार्ड सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशेष अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थलों, मार्गों एवं दीवारों का सौंदर्यीकरण किया गया। नगर के प्रमुख चौराहों, डिवाइडरों, सार्वजनिक परिसरों एवं दीवारों पर रंग-रोगन के साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं नागरिक जिम्मेदारी से जुड़े आकर्षक चित्र एवं संदेश अंकित किए जा रहे हैं, जिससे शहर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ आमजन में स्वच्छता के प्रति सकारात्मक सोच विकसित हो सके।

ताम्रकार कसेरा समाज चुनावः धर्मेंद्र पैगवार भारी मतों से जीते मप्र के नए प्रदेश अध्यक्ष, पैगवार परिवार में लौटी 46 साल पुरानी कमान

शहडोल। भोपाल मध्य प्रदेश ताम्रकार कसेरा समाज के इतिहास में 17 मई 2026 का दिन एक नया मील का पत्थर साबित हुआ। भोपाल के श्री नर्मदा मंदिर प्रांगण में संपन्न हुए भव्य प्रदेश स्तरीय निर्वाचन में शहडोल के धर्मेंद्र पैगवार ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए प्रदेश अध्यक्ष पद पर कब्जा कर लिया है। इस जीत के साथ ही पैगवार परिवार में करीब 46 साल बाद पुनः समाज की सर्वोच्च कमान लौटी है। इससे पहले 1980 के दशक में धर्मेंद्र पैगवार के दादा, श्रद्धेय बाला प्रसाद पैगवार समाज के प्रदेश अध्यक्ष रहे थे।

चुनावी आंकड़ेः 86% मतदान और मिली प्रचंड जीत

इस ऐतिहासिक चुनाव में पूरे मध्य प्रदेश से कुल 384 मतदाताओं में से 331 लोगों (86%) ने अपने मत का प्रयोग किया।धर्मेंद्र पैगवार (भोपाल): कुल 239 मत (73%) प्राप्त कर 147 मतों के भारी अंतर से विजयी घोषित हुए।भरत लाल ताम्रकार (उचेहरा): द्वितीय प्रत्याशी को कुल 92 मत प्राप्त हुए।

14 मई को ही घोषित हो गया था मजबूत पैनल

चुनाव से पहले 14 मई 2026 को प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष भाई पुष्पेंद्र ताम्रकार (पुस्सू) ने योगेश ताम्रकार (सतना), राम नारायण ताम्रकार (सीहोर), बाबूलाल ताम्रकार (विदिशा) और पुष्पेंद्र ताम्रकार (बुढार) की सर्वसम्मति से एक मजबूत पैनल की घोषणा की थी। इस पैनल के तहत कई महत्वपूर्ण पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआःप्रदेश उपाध्यक्षः डॉ. अतुल सेठा (नर्मदापुरम) – निर्विरोध,महामंत्रीः प्रदीप ताम्रकार (सतना) – निर्विरोध,कोषाध्यक्षः हरि ओम ताम्रकार (अनूपपुर) – निर्विरोध,सह सचिवः श्रीमती प्रतिभा पंडा (जबलपुर) – निर्विरोध निर्वाचित हुए।

कार्यकारिणी सदस्यों के चयन में भी पैनल का दबदबा

17 मई को नर्मदा मंदिर परिसर में अध्यक्ष पद के चुनाव के साथ ही कार्यकारिणी सदस्यों के चयन के लिए भी मतदान हुआ। इस मुकाबले में धर्मेंद्र पैगवार के पैनल के 6 प्रत्याशी मैदान में थे, जिनमें से सभी ने शानदार जीत दर्ज की। विजयी कार्यकारिणी सदस्यों में शामिल हैंःभाई पुष्पेंद्र ताम्रकार (उचेहरा), श्रीमती रश्मि ताम्रकार (विदिशा), अतुल ताम्रकार, श्रेयस ताम्रकार, विशाल ताम्रकार और प्रहलाद ताम्रकार शामिल हुए।

9 साल बाद संपन्न हुई चुनावी प्रक्रिया, इतिहास पर एक नज़र समाज में पिछले 9 वर्षों से चुनाव लंबित थे, जिसके बाद इस भव्य लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पूरा किया गया। समाज के अब तक के नेतृत्व का इतिहास इस प्रकार रहा हैः

1980 का दशकः बाला प्रसाद पैगवार (धर्मेंद्र पैगवार के दादाजी)
2008: देवेंद्र वर्मा (गंज बासौदा)
2011: दिनेश पैगवार (जबलपुर)
2012 व 2018: राजेंद्र ताम्रकार (रीवा)
2026 (वर्तमान): धर्मेंद्र पैगवार (भोपाल/शहडोल)

सफल आयोजन के लिए जताया आभार

इस सफल निर्वाचन सम्मेलन को गरिमापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए भोपाल समाज के अध्यक्ष विनय वर्मा एवं स्थानीय समिति के सभी सहयोगी कार्यकर्ताओं का विशेष आभार व्यक्त किया गया। साथ ही निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए प्रदेश निर्वाचन अधिकारी संतोष ताम्रकार (विदिशा) और केशव ताम्रकार (भोपाल) के प्रति पूरी समाज ने कृतज्ञता प्रकट की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष धर्मेंद्र पैगवार और उनकी पूरी टीम को समाज बंधुओं ने उज्ज्वल कार्यकाल के लिए ढेरों बधाइयां और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

धरातल पर लापता तालाब, कागजों में डकार गए लाखों रुपये!

भ्रष्टाचार का गढ़ बनी ग्राम पंचायत रक्सा

मानपुर। जनपद पंचायत मानपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रक्सा इस समय भ्रष्टाचार और मलाईखोरी का सबसे बड़ा केंद्र बन चुकी है। सरपंच, उपसरपंच और सचिव की त्रिमूर्ति ने मिलकर शासकीय विकास कार्यों को अपनी निजी जागीर बना लिया है। जनता के खून-पसीने की कमाई और सरकारी बजट को जिस बेरहमी से ठिकाने लगाया गया है, उसने पंचायत राज व्यवस्था को कलंकित कर दिया है। रक्सा में निर्माण कार्यों के नाम पर केवल फाइलों का पेट भरा गया है, जबकि धरातल पर सिर्फ छलावा और खोखले दावे नजर आ रहे हैं।

लाखों की पुलिया भ्रष्टाचार की भेंट

ग्राम पंचायत रक्सा के सुखनंदन साहू के घर के पास और प्राइमरी स्कूल के आगे बनी पुलिया सरपंच-सचिव की सांठगांठ और भ्रष्टाचार की जीती-जागती मिसाल है। सूत्रों के मुताबिक, इस पुलिया की कुल लागत 14 लाख दर्शाई गई है, जबकि इसका मूल्यांकन 10 लाख का किया गया है। कमाल की बात यह है कि काम पूरा होने से पहले ही पूरी राशि का आहरण (विड्रॉल) कर बंदरबांट कर लिया गया। भ्रष्टाचार का आलम यहीं खत्म नहीं होता; इस निर्माण कार्य में मिट्टी ढोने वाली गाड़ियों का 1,15,000 का भुगतान आज तक दबाकर रखा गया है। गरीब मजदूरों के पसीने की कमाई को भी डकार लिया गया है। विशेष सूत्रों ने सनसनीखेज खुलासा किया है कि पुलिया का वास्तविक काम किसी और ने किया, जबकि भुगतान की मलाई किसी और चहेते वेंडर की जेब में डाल दी गई।

लापता खेत तालाब

पंचायत के नुमाइंदों ने सबसे बड़ा और जादुई कारनामा खेत तालाब योजना में कर दिखाया है। रक्सा पंचायत में 2.5 लाख से 3 लाख की लागत वाले करीब 20 से अधिक खेत तालाबों के नाम पर भारी फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है। कागजों में तालाब खुद गए, पानी भर गया और पूरी राशि भी निकाल ली गई, लेकिन धरातल पर इन तालाबों का वजूद ही गायब है!

सूची में छिपा है घोटाला

अशोक पिता काशी, प्रेम बाई काशी, समरजीत सिंह, लोकेश सिंह, लवलेश साहू, दशरथ साहू, गनपत साहू, खेलामन साहू, मुकद्दम सिंह और सोमनाथ नापित समेत 20 से अधिक ऐसे हितग्राही हैं, जिनके खेतों में आज भी तालाब की जगह फसल लहलहा रही है और वे सामान्य खेती कर रहे हैं। इन गायब तालाबों की उच्च स्तरीय जांच होना बेहद जरूरी है।

उपसरपंच की महामाया ट्रेडर्स

इस पूरे घालमेल में उपसरपंच लल्लू विश्वकर्मा ने अपने पद का जमकर दुरुपयोग किया है। पंचायत में सामग्री सप्लाई के नाम पर उपसरपंच ने अपनी पत्नी संगीता विश्वकर्मा के नाम पर महामाया ट्रेडर्स नामक एक फर्म पंजीकृत करा रखी है। उपसरपंच के रसूख और दबाव के चलते पंचायत के हर निर्माण कार्य में सामग्री इसी फर्म से जबरन खरीदी जा रही है और धड़ल्ले से बिल लगाए जा रहे हैं। यह सीधे तौर पर हितों के टकराव और पंचायती राज अधिनियम के नियमों की धज्जियां उड़ाने जैसा है।

सीएम हेल्पलाइन में शिकायतों का अंबार

पंचायत की तानाशाही से त्रस्त जनता अब सीधे भोपाल गुहार लगा रही है। रक्सा पंचायत के खिलाफ सीएम हेल्पलाइन पर शिकायतों का पहाड़ खड़ा हो गया है। बिजौरी निवासी ज्ञानेंद्र सिंह (जोनू सेंगर) ने बताया कि मिट्टी कार्य में लगी उनकी गाड़ियों का 1,10,000 का भुगतान महीनों से पेंडिंग है। कई बार गुहार लगाने के बाद भी सरपंच, उपसरपंच और सचिव के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। इससे पहले चौकीदार ओमप्रकाश सिंह का भुगतान भी इसी तरह दबाया गया था, जिन्होंने जब सीएम हेल्पलाइन पर डंडा चलाया, तब जाकर पंचायत बैकफुट पर आई और उनका भुगतान किया गया। आज भी दर्जनों शिकायतें अधिकारियों की टेबल पर धूल फांक रही हैं।

नवागत कलेक्टर और सीईओ से न्याय की आस

रक्सा पंचायत में फैले इस संस्थागत भ्रष्टाचार, अपनों को रेवड़ी बांटने की नीति और सरकारी पैसों की खुली लूट को लेकर अब ग्रामीण आर-पार की लड़ाई के मूड में हैं। नवागत कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय और जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया से क्षेत्र की जनता को भारी जनापेक्षा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि इस भ्रष्ट तिकड़ी (सरपंच, उपसरपंच, सचिव) के खिलाफ तत्काल एक निष्पक्ष जांच दल गठित किया जाए, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके और जनता की गाढ़ी कमाई लूटने वाले जेल की सलाखों के पीछे पहुंच सकें।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यौहारी की संगठनात्मक बैठक संपन्न

शहडोल/ब्यौहारी। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ब्यौहारी की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधानसभा क्षेत्र ब्यौहारी-83 के प्रभारी त्रिभुवन प्रताप सिंह रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय अवस्थी ने की।

विधानसभा क्षेत्र ब्यौहारी-83 में आयोजित इस बैठक में क्षेत्र की जनसमस्याओं, आगामी राजनीतिक कार्यक्रमों तथा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस की रीति-नीति एवं विचारधारा को आमजन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। बैठक के दौरान वरिष्ठ पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं युवा साथियों के साथ सीधा संवाद भी हुआ। वक्ताओं ने कहा कि ब्यौहारी का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ मैदान में उतर चुका है और जनता की आवाज बनकर संघर्ष करेगा।

बैठक में प्रमुख रूप से उपस्थित रहे

पूर्व विधायक रामपाल सिंह, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष लालबहादुर सिंह, पूर्व प्रदेश प्रतिनिधि संतोष शुक्ला, संगठन मंत्री विनोद ताम्रकार, जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष हरिमोहन तिवारी, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामलखन सिंह, हरि सिंह, चिरौंजीलाल चंचलानी, लक्ष्मीकांत तिवारी, नरेंद्र पांडेय, पुष्पेंद्र परौहा, महेंद्र सिंह, अमित राजेश मिश्रा, बाबूलाल सिंह गोड़, ओ पी शुक्ला, सुंदरलाल गुप्ता, सुरेश विश्वकर्मा, धर्मेंद्र सिंह चतुर्वेदी, संकरिया कोल, अनिल नामदेव, अनुराज तिवारी, सूर्य प्रकाश पाठक, अतुल तिवारी, रोहिणी साहू, रिंकू गुप्ता, कमलेश पटेल, पवन पटेल, विनय द्विवेदी, आदित्यदेव सिंह, नागेंद्र वर्मा, आशुतोष पटेल, आयुष्मान ताम्रकार, प्रदीप गुप्ता, दिलीप तिवारी, पुष्पेंद्र पटेल, विनोद पटेल, हरीशंकर कोरी, कुलदीप सिंह, विजय द्विवेदी, प्रियदर्शी तिवारी, विक्रम सिंह, मो. इस्लाम कलीमी, छत्रपाल वर्मन, राकेश वर्मन, अभिषेक सिंह, आलोक पांडेय, राजेंद्र सिंह, रमेश शर्मा, सोनेलाल कोल, कौशल सिंह परस्ते, पंकज चतुर्वेदी, शैलेंद्र बाबू सिंह, विनोद कुशवाहा, अनिल कुमार पटेल, इंद्रकुमार पाठक, शिवदयाल प्रजापति, प्रकाश ताम्रकार, पप्पू साकेत, सत्यनारायण मिश्रा, राम निरंजन तिवारी, आयूब खान, सर्वेश तिवारी, अयोध्या प्रसाद कुशवाहा, अंकित गुप्ता बल्ली, ब्रजराज बैस, सागर प्रधान सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में ईंधन बचाओ, बचाओ अभियान अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

वर्तमान ऊर्जा संकट को दृष्टिगत रखते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान तथा जिला कलेक्टर कार्यालय उमरिया द्वारा प्राप्त निर्देशों के तारतम्य में शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में "ईंधन बचाओ–पर्यावरण बचाओ" अभियान के अंतर्गत एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. हरलाल अहिरवार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं समाज में ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण सुरक्षा तथा सतत विकास के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना था।

अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए प्राचार्य डॉ. हरलाल अहिरवार ने कहा कि आज संपूर्ण विश्व जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण असंतुलन जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहा है। ऐसे समय में ईंधन संरक्षण केवल सरकारी अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की नैतिक जिम्मेदारी बन जाती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे अपने दैनिक जीवन में छोटी-छोटी आदतों में परिवर्तन कर ऊर्जा संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनावश्यक रूप से वाहनों का उपयोग कम करना, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देना, विद्युत उपकरणों का संयमित उपयोग तथा वृक्षारोपण जैसे कार्य पर्यावरण संरक्षण में अत्यंत सहायक सिद्ध होंगे।

डॉ. जेपीएस चौहान ने कहा कि जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग पृथ्वी के तापमान में वृद्धि का प्रमुख कारण बनता जा रहा है। पेट्रोल, डीजल एवं कोयले के अत्यधिक उपयोग से वातावरण में कार्बन डाइऑक्साइड की मात्रा लगातार बढ़ रही है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएँ गंभीर होती जा रही हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को वैकल्पिक ऊर्जा स्त्रोतों जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा तथा जैविक ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे डॉ. मंसूर अली ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस या अभियान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे जन-आंदोलन का स्वरूप देना आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वयं जागरूक बनें और अपने परिवार एवं समाज को भी ईंधन बचत एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करें। डॉ अली ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और यदि युवा वर्ग संकल्प ले ले, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन अवश्य लाया जा सकता है।

कार्यक्रम में डॉ नरेश शुक्ला, डॉ ऋतु सेन, डॉ मनीषा अग्रवाल, डॉ जयंती पयासी, डॉ त्रिभुवन गिरि, डॉ शिवराज सिंह, बालेन्द्र यादव आदि ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थीगण उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण का संदेशः बुढार नगर परिषद अध्यक्ष और CMO ने ई-रिक्शा से किया नगर भ्रमण

बुढार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बुढार नगर परिषद ने एक अनूठी पहल की है। ईंधन की बचत और इलेक्ट्रिक वाहनों (EV) के उपयोग को बढ़ावा देने का संदेश लेकर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी, मुख्य नगरपालिका अधिकारी (CMO) सौरभ श्रीवास्तव और स्थानीय पार्षदों ने ई-रिक्शा से पूरे नगर का भ्रमण किया।

इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को स्वच्छ, हरित और ऊर्जा-संरक्षित बुढार बनाने के लिए प्रेरित करना था। नगर भ्रमण के दौरान अध्यक्ष और पार्षदों ने लोगों से अपील की कि वे प्रदूषण कम करने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए अधिक से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग करें।

RMF सेंटर का किया औचक निरीक्षण

नगर भ्रमण के इसी सिलसिले में अध्यक्ष श्रीमती शालिनी सरावगी और सीएमओ सौरभ श्रीवास्तव ने पार्षदों के साथ आर.एम.एफ. (Resource Management Facility) सेंटर का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने केंद्र की कार्यप्रणाली को देखा और कचरा प्रबंधन व साफ-सफाई को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इनके विचार

हमारा लक्ष्य बुढार को एक मॉडल टाउन बनाना है, जहाँ स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण हर नागरिक की जिम्मेदारी हो। ई-रिक्शा का उपयोग कर हम समाज में यह संदेश देना चाहते हैं कि छोटे-छोटे प्रयासों से ही बड़ा बदलाव संभव है।

— श्रीमती शालिनी सरावगी, अध्यक्ष - नगर परिषद बुढार

इस दौरान नगर परिषद के पार्षद श्रीमती जुली जैन, सविता सिंह, जूली रजक अधिकारी, चंद्र प्रकाश पांडेय राधिका तिवारी एवं कर्मचारी और कई वार्डों के पार्षद उपस्थित रहे, जिन्होंने इस हरित पहल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

नशे में थे चालक, दो मोटर साइकिलें की गई जब्त

कटनी। निवार चौकी पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की है। निवार क्षेत्र में वाहन चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने दो चालकों को नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़ा। जांच के दौरान मोटरसाइकिल क्रमांक MP 21 MN 8280 के चालक राजा कोल (29 वर्ष), निवासी कटाई घाट थाना रंगनाथ नगर तथा ई-रिक्शा क्रमांक MP 21 ZG 9042 के चालक राहुल यादव (22 वर्ष), निवासी टेढ़ी थाना माधवनगर शराब के प्रभाव में वाहन चलाते पाए गए। दोनों चालकों की ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई, जिसमें शराब सेवन की पुष्टि होने पर मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत वाहन जब्त कर प्रकरण कायम किया गया तथा मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

खबर संक्षेप

नवागत पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने ग्रहण किया पदभार

अनूपपुर। नवागत पुलिस अधीक्षक अनूपपुर विक्रांत मुराब द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पुलिस अधीक्षक पद का विधिवत कार्यभार ग्रहण किया गया। पदभार ग्रहण उपरांत अति. पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जगनाथ मरकाम, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस पुष्पराजगढ़ नवीन तिवारी, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कोतमा श्रीमती आरती शाक्य, डीएसपी (अ) एनएस ठाकुर, रक्षित निरीक्षक अनूपपुर श्रीमती ज्योति दुबे, मुख्य लिपिक पुलिस अधीक्षक कार्यालय राम सिंह उईके, यातायात प्रभारी अनूपपुर विनोद दुबे, सूबेदार पुलिस लाईन अम्बरीष साहू सहित पुलिस अधीक्षक कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। नवागत पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर जिले में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने तथा आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु प्राथमिकता से कार्य करने की बात कही।

भीषण गर्मी को लेकर प्रशासन की अपील

अनूपपुर। जिले में लगातार बढ़ रही गर्मी और तपिश को देखते हुए प्रशासन ने आम जनता के लिए जरूरी बातें साझा की हैं। "सावधानी ही सुरक्षा है" की बात दोहराते हुए लोगों से कहा गया है कि वे लू की चपेट में आने से बचने के लिए सतर्क रहें और अपनी सेहत का ख्याल रखें। प्रशासन ने लोगों से कहा है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच, जब सूरज की गर्मी सबसे ज्यादा होती है, बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। यदि बाहर जाना ही पड़े, तो सिर को छाते, टोपी या सूती गमछे से ढककर निकलें। गर्मी के दिनों में शरीर में पानी की कमी न होने दें। प्यास न लगने पर भी थोड़ी-थोड़ी देर में पानी पीते रहें। हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनना शरीर के लिए आरामदायक होता है। खाने में हल्का और ताजा भोजन लें तथा ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से परहेज करें। घर के बड़े-बुजुर्गों और बच्चों पर गर्मी का असर जल्दी होता है, इसलिए उनका विशेष ध्यान रखें। उन्हें ठंडी जगह पर रखें और समय-समय पर पानी या अन्य पेय पदार्थ देते रहें। अगर किसी को चक्कर आए, तेज सिरदर्द हो या बहुत ज्यादा कमजोरी लगे, तो उसे तुरंत छाया वाली ठंडी जगह पर ले जाएं और पानी पिलाएं। यदि हालत में सुधार न हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाएं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि गर्मी के मौसम में ये छोटी-छोटी सावधानियां आपको और आपके परिवार को बीमार होने से बचा सकती हैं।

पीएम जन-मन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत शिविर आज

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पीएम जन-मन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत पीवीटीजी (बैगा) जनजातीय समुदायों के लिए कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु 18 मई से 25 मई तक राष्ट्रव्यापी आईईसी (सूचना, शिक्षा एवं संचार) अभियान 'जन भागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले' अभियान संचालित करने के लिए लाभार्थी संतृप्ति शिविर आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत विकासखण्ड पुष्पराजगढ़ के ग्राम पंचायत भवन सालरगोंदी तथा चरकूमर, विकासखण्ड जैतहरी के ग्राम पंचायत भवन ठोढ़ीपानी तथा अंजनी, विकासखण्ड कोतमा के ग्राम पंचायत भवन रेऊसा तथा विकासखण्ड अनूपपुर के ग्राम पंचायत भवन चपानी में आज 20 मई को शिविर का आयोजन होगा। सालरगोंदी में आयोजित शिविर में सरई, पतेरा, सालरगोंदी ग्राम के, चरकूमर में आयोजित शिविर में चरकूमर, अमदरी ग्राम के, ठोढ़ीपानी में आयोजित शिविर में ठोढ़ीपानी ग्राम के, अंजनी में आयोजित शिविर में अंजनी ग्राम के, रेऊसा में आयोजित शिविर में रेऊसा ग्राम के तथा चपानी में आयोजित शिविर में चपानी ग्राम के पीवीटीजी (बैगा) जनजातीय समुदाय लाभान्वित हो सकेंगे। शिविर में पीवीटीजी (बैगा) जनजातीय समुदायों को शासन की समस्त कल्याणकारी योजनाओं जैसे समग्र आईडी सुधार एवं नए बनाना, आधार कार्ड अपडेशन, जनधन खाता खोलना, आयुष्मान कार्ड, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, स्वास्थ्य परीक्षण आदि कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जाएगा।

क्या अब समर्पण नहीं, पहुंच और संपत्ति से तय होंगे संगठन के पद?

अनूपपुर भाजयुमो में मचा घमासान

अनूपपुर भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष पद को लेकर संगठन के भीतर असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा है कि क्या अब वर्षों तक पार्टी के लिए संघर्ष करने वालों की जगह बाहरी प्रभावशाली चेहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। संभावित नामों को लेकर उठ रहे सवालों ने संगठन की अंदरूनी राजनीति को गरमा दिया है। स्थानीय कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि जमीनी समर्पण की अनदेखी हुई, तो इसका सीधा असर संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं के मनोबल पर पड़ना तय है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

भारतीय जनता युवा मोर्चा अनूपपुर के जिला अध्यक्ष पद को लेकर इन दिनों संगठन के भीतर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। चर्चाओं के केंद्र में आए आशुतोष तिवारी को लेकर कार्यकर्ताओं के बीच कई तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि वे मूलतः शहडोल जिले के निवासी हैं और हाल ही में अनूपपुर में सक्रिय हुए हैं। ऐसे में स्थानीय कार्यकर्ताओं के मन में यह सवाल उठ रहा है कि क्या संगठन अब वर्षों से पार्टी के लिए संघर्ष करने वाले जमीनी कार्यकर्ताओं से अधिक बाहरी प्रभावशाली चेहरों पर भरोसा करने लगा है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि युवा मोर्चा का नेतृत्व केवल नाम या पहचान का विषय नहीं, बल्कि सतत सक्रियता, स्थानीय समझ और कार्यकर्ताओं से मजबूत जुड़ाव की जिम्मेदारी भी है। इसी बीच उनके कालरी कर्मचारी होने को लेकर भी चर्चा तेज है। संगठन के भीतर अब यह बहस खुलकर होने लगी है कि आखिर भाजपा में पद की पात्रता का वास्तविक आधार क्या रह गया है।

बाहरी चेहरे पर संगठन में उठे सवाल

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष की दौड़ में जिस नाम की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है, उसे लेकर स्थानीय कार्यकर्ताओं के बीच असहजता साफ दिखाई दे रही है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि संगठन की जिम्मेदारी ऐसे व्यक्ति को मिलनी चाहिए जिसने वर्षों तक जिले में रहकर पार्टी के लिए संघर्ष किया हो। उनका मानना है कि अचानक सक्रिय हुए चेहरे को नेतृत्व सौंपना उन कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय होगा जिन्होंने गांव-गांव जाकर संगठन को मजबूत करने में अपना समय और मेहनत लगाई है।

क्या स्थानीय कार्यकर्ताओं की मेहनत हो रही नजरअंदाज?

भाजपा और युवा मोर्चा जैसे संगठन बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की

मेहनत पर खड़े होते हैं। कई कार्यकर्ताओं का आरोप है कि वर्षों से पार्टी का झंडा उठाने वाले समर्पित चेहरों को दरकिनार किया जा रहा है। उनका कहना है कि चुनावी संघर्ष, आंदोलनों और संगठनात्मक कार्यक्रमों में लगातार सक्रिय रहने वाले कार्यकर्ताओं की उपेक्षा से अंदरूनी नाराजगी बढ़ रही है। यदि यही स्थिति रही तो भविष्य में कार्यकर्ताओं का उत्साह और संगठन के प्रति विश्वास कमजोर हो सकता है।

नौकरी और संगठन साथ कैसे संभालेंगे?

संभावित दावेदार के कोलरी कर्मचारी होने को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं। कार्यकर्ताओं का कहना है कि कालरी क्षेत्र में बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य होती है, जहां नियमित समय देना पड़ता है। ऐसे में युवा मोर्चा जैसे सक्रिय संगठन को पर्याप्त समय देना कितना संभव होगा, इस पर चर्चा तेज है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि जिला अध्यक्ष का पद केवल औपचारिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहकर संगठन को दिशा देने का दायित्व होता है।

संगठन में पहुंच और प्रभाव की चर्चा तेज

भाजपा संगठन के भीतर अब यह चर्चा भी तेजी से फैल रही है कि क्या पदों की पात्रता अब समर्पण से नहीं बल्कि संपर्क, पहुंच और प्रभाव से तय होने लगी है। कई कार्यकर्ताओं का कहना है कि यदि संगठन में मेहनत से ज्यादा महत्व प्रभावशाली संपर्कों को मिलने लगेगा, तो जमीनी कार्यकर्ताओं का विश्वास टूट सकता है। अंदरखाने यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या आर्थिक और राजनीतिक पहुंच अब संगठनात्मक नियुक्तियों का नया पैमाना बनती जा रही है।

फैसले पर टिकी कार्यकर्ताओं की निगाहें

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर अब पूरे जिले के कार्यकर्ताओं की निगाहें भाजपा संगठन पर टिक गई हैं। कार्यकर्ताओं को उम्मीद है कि नेतृत्व ऐसा फैसला करेगा जिससे संगठनात्मक संतुलन और कार्यकर्ताओं का विश्वास बना रहे। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी है कि यदि स्थानीय भावनाओं को नजरअंदाज किया गया, तो इसका असर भविष्य की राजनीतिक गतिविधियों और संगठन की एकजुटता पर दिखाई दे सकता है। अब देखना होगा कि पार्टी नेतृत्व इन सवालों का जवाब किस तरह देता है।

कलेक्टर ने जनसुनवाई में 62 आवेदकों की सुनी समस्याएं

हरिभूमि न्यूज›अनूपपुर।

जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 62 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्रीमती अर्चना कुमारी, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनूपपुर कमलेश पुरी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी। जनसुनवाई में तहसील अनूपपुर के ग्राम पयारी निवासी मीरा केवट ने जनकल्याण (संबल) योजना के तहत सहायता राशि दिलाए जाने, तहसील अनूपपुर के ग्राम सकरिया निवासी विष्णु कोल ने नक्शा तरमीम कराए जाने, तहसील कोतमा के ग्राम गोड़ारू निवासी रामकृपाल पाव ने सीमांकन कराए जाने, तहसील जैतहरी के ग्राम क्योंटार निवासी रामप्रसाद राठौर ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत सहायता राशि दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिया। इसके अतिरिक्त अन्य आवेदकों द्वारा फौती नामांतरण की नकल दिलवाए जाने, जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने, खसरे में सुधार किए जाने, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ प्रदान किए जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किए गए।

कदमतोला में एक ही मार्ग पर दो योजनाओं से निर्माण
15 लाख की नई सड़क पर फिर 1.22 करोड़ खर्च

सरकारी धन के दुरुपयोग पर उठे बड़े सवाल

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

ग्रामीण विकास और बुनियादी सुविधाओं के नाम पर सरकारी धन के इस्तेमाल को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं, लेकिन ग्राम पंचायत कदमतोला से सामने आया मामला सरकारी कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े कर रहा है। यहाँ एक ऐसी स्थिति निर्मित हो गई है जहाँ हाल ही में लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई पीसीसी सड़क के ऊपर अब प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1 करोड़ 22 लाख रुपये की लागत से नई सड़क का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस दोहरे निर्माण को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है और लोग इसे सरकारी धन की खुली बर्बादी बता रहे हैं। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कदमतोला अंतर्गत "एनएच-43 से पाठ टोला" मार्ग पर वित्तीय वर्ष 2024-25 में पंचायत मद से लगभग 14 लाख 95 हजार रुपये की लागत से 500 मीटर लंबी पीसीसी सड़क का निर्माण कराया गया था। यह सड़क "देवनाथ बैगा के घर से पाठ बाबा" की ओर जाने वाले मार्ग पर बनाई गई थी। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि इससे पहले भी इसी रास्ते पर करीब दो लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य किया गया था। यानी बीते एक-दो वर्षों में इस मार्ग पर कई लाख रुपये खर्च कर सड़क को पूरी तरह पक्का और सुगम बनाया जा चुका था। ग्रामीणों के अनुसार उक्त सड़क वर्तमान में भी अच्छी स्थिति में है और कहीं से भी क्षतिग्रस्त नहीं है। इसके बावजूद अब इसी मार्ग पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1.76 किलोमीटर लंबी नई सड़क का निर्माण शुरू कर दिया गया है, जिसकी स्वीकृत लागत करीब 122 लाख रुपये बताई जा रही है। एक ही रास्ते पर दो अलग-अलग योजनाओं से निर्माण कार्य होने के कारण ग्रामीणों ने विभागीय सर्वे, डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया तथा अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जब पीएमजीएसवाई विभाग द्वारा सड़क निर्माण के लिए भौतिक सत्यापन किया गया होगा, तब क्या अधिकारियों को हाल ही में बनी पीसीसी सड़क दिखाई नहीं दी? यदि सड़क पहले से ही पूरी तरह पक्की और उपयोग योग्य थी तो उसी मार्ग पर करोड़ों रुपये का नया निर्माण स्वीकृत करने का औचित्य क्या है? ग्रामीणों का आरोप है कि विभागीय समन्वय के अभाव और लापरवाही के कारण सरकारी धन का दुरुपयोग हो रहा है। मामले को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश देखा जा रहा है। लोगों ने तंज कसते हुए कहा कि यदि सरकार की नीति यही है कि एक-दो साल पुरानी और अच्छी हालत वाली सड़क को दोबारा करोड़ों रुपये खर्च कर बनाया जाए, तो फिर पूरे प्रदेश में ऐसी सड़कों को दोबारा बनवा देना चाहिए। उनका कहना है कि जिन गांवों में आज भी लोग कच्ची सड़कों और बदहाल रास्तों से परेशान हैं, वहाँ विकास कार्यों की जरूरत है, न कि पहले से बनी सड़कों पर दोबारा पैसा बहाने की। ग्रामीणों और जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं कलेक्टर से पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि मौके का निरीक्षण कर यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि आखिर एक ही मार्ग पर दो योजनाओं से निर्माण की अनुमति कैसे दी गई। साथ ही उन अधिकारियों और जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए जिनकी लापरवाही या मिलीभगत से सरकारी खजाने को नुकसान पहुँच रहा है। यह मामला अब केवल एक सड़क निर्माण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि ग्रामीण विकास योजनाओं की पारदर्शिता, विभागीय जवाबदेही और सरकारी धन के उपयोग पर बड़ा सवाल बनकर उभर रहा है।

विभिन्न स्थलों पर गूंज रहे वैदिक मंत्र, श्रीमद् भागवत कथा एवं रुद्र महायज्ञ

पुरुषोत्तम मास में धर्ममय हुई पवित्र नगरी अमरकंटक

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

मध्यप्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल, पावन तपोभूमि अमरकंटक में पुरुषोत्तम मास के शुभारंभ के साथ ही संपूर्ण नगरी धर्म, भक्ति और साधना के दिव्य वातावरण में सराबोर हो उठी है। ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 17 मई कृतिका नक्षत्र से प्रारंभ हुए इस पुण्य पुरुषोत्तम मास में विभिन्न आश्रमों, घाटों एवं धार्मिक स्थलों पर जप, तप, पूजन-अर्चन, कथा एवं यज्ञ अनुष्ठानों का क्रम श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ निरंतर जारी है। पतित पावनी पुण्य सलिला माँ नर्मदा की उद्गम स्थली अमरकंटक में इन दिनों वैदिक मंत्रों की पावन गूंज, भजन-कीर्तन एवं संत-महात्माओं के सत्संग से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय एवं आध्यात्मिक चेतना से आलोकित हो उठा है। देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालु पुरुषोत्तम मास में माँ नर्मदा के दर्शन, स्नान एवं साधना कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। स्थानीय अग्निपीठ अखाड़ा श्री मार्कण्डेय आश्रम में छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिला से आए भक्त श्रद्धालुओं के सहयोग से श्री 108 रुद्र महायज्ञ एवं श्री नर्मदा महापुराण कथा का भव्य आयोजन पूरे वैदिक विधि-विधान एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न कराया जा रहा है। यज्ञ मंडप में आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रुद्राभिषेक एवं हवन अनुष्ठान किए जा रहे हैं, जिससे वातावरण पूर्णतः शिवमय एवं आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत बना हुआ है। वहीं माँ नर्मदा के पावन तट रामघाट में आचार्य पुरोहित पंडित धनेश द्विवेदी 'वंदे महाराज' द्वारा प्रतिदिन प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक श्री नर्मदा महापुराण कथा का भावपूर्ण वाचन किया जा रहा है। कथा में माँ नर्मदा की महिमा, सनातन धर्म की परंपराएँ एवं मानव कल्याण के संदेश श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहे हैं। इसी क्रम में बाल विदुषी सौम्या किशोरी द्वारा प्रतिदिन संध्या 4 बजे से रात्रि 7 बजे तक संगीतमय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का रसपान कराया जा रहा है। मधुर भजनों, कृष्ण लीला एवं भक्तिमय प्रवचनों से श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो रहे हैं तथा कथा स्थल पर देर शाम तक श्रद्धा एवं भक्ति की सरिता प्रवाहित हो रही है। स्थानीय कल्याण सेवा आश्रम के विशाल सभा हाल में भी श्रीमद् भागवत हरिहर महोत्सव का भव्य धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन किया जा रहा है, जो 19 मई से 25 मई तक निरंतर चलेगा। इस आयोजन में सुप्रसिद्ध कथा वाचिका माँ चौतन्य मीरा कथा व्यास के रूप में श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का रसपान करा रही हैं। राजस्थान सहित विभिन्न प्रदेशों से आए श्रद्धालु महिला एवं पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त कर रहे हैं। पुरुषोत्तम मास के इस पुण्य अवसर पर माँ नर्मदा के पावन तटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। गुजरात के बड़ौदा, महाराष्ट्र के नागपुर एवं जळगांव सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए भक्त श्रद्धालु माँ नर्मदा में पुण्य स्नान कर पूजन-अर्चन एवं दीपदान कर रहे हैं। अनेक श्रद्धालु जप-तप, भजन-कीर्तन एवं ध्यान-साधना में लीन होकर ईश्वर आराधना में अपना समय व्यतीत कर रहे हैं। धर्मग्रंथों में पुरुषोत्तम मास को भगवान विष्णु का अत्यंत प्रिय मास माना गया है। मान्यता है कि इस मास में किए गए जप, तप, दान, कथा श्रवण एवं स्नान का फल अनेक गुना प्राप्त होता है। यही कारण है कि अमरकंटक जैसे दिव्य तपोभूमि में इस पावन मास के दौरान श्रद्धा, साधना एवं सनातन संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। माँ नर्मदा की पावन वादियों में चल रहे ये धार्मिक आयोजन न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान कर रहे हैं, बल्कि समाज में धर्म, संस्कृति, सद्भाव एवं मानव कल्याण की भावना को भी सुदृढ़ कर रहे हैं।

कृषि रथ तथा किसान चौपाल का किया जा रहा है आयोजन

किसानों को दी जा रही है आधुनिक खेती और विभागीय योजनाओं की जानकारी

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

किसान कल्याण वर्ष 2026 किया जा रहा है। इस विशेष अभियान का मुख्य ध्येय ग्रामीण क्षेत्रों में आधुनिक कृषि पद्धतियों का प्रचार-प्रसार करना और किसानों को कम लागत में अधिक मुनाफे की खेती के लिए प्रेरित करना है। कृषि रथ के माध्यम से शासन की विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और आधुनिक कृषि यंत्रों पर मिलने वाले अनुदान का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रचार सामग्री और व्यावहारिक संवाद के माध्यम से किसानों की शंकाओं का मौके पर ही समाधान भी किया जा रहा है, ताकि वे समय रहते इन योजनाओं का लाभ उठाकर अपनी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ कर सकें। किसान चौपाल में कृषि विशेषज्ञों द्वारा कृषकों को आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों के संबंध में महत्वपूर्ण तकनीकी जानकारियां दी जा रही है। अधिकारियों द्वारा मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार संतुलित उर्वरकों के उपयोग पर जोर दिया जा रहा है। इसके साथ ही, रसायनों के अंधाधुंध प्रयोग को कम करने के लिए किसानों को जैविक और प्राकृतिक खेती अपनाने, बीज उपचार करने तथा कतारबद्ध बोनी पद्धतियों को व्यावहारिक रूप से समझने की सलाह दी जा रही है।

अंतर्गत जिले के किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों और शासन की कल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विकासखंड अनूपपुर के ग्राम पंचायत लामाटोला, परासी, रेउला तथा विकासखण्ड जैतहरी के ग्राम पंचायत कुकुरगोडा सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में कृषि रथ तथा किसान चौपाल का आयोजन